UGC NET Paper= 2.. Sanskrit

Filler Form

YouTube

🎯 JRF का जलवा 🔥 🏆

UNIT=7

संस्कृत साहित्य, काव्यशास्त्र एवं छन्द का सामान्य परिचय

Daily = 6 pm

Class = 69

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d purshuing

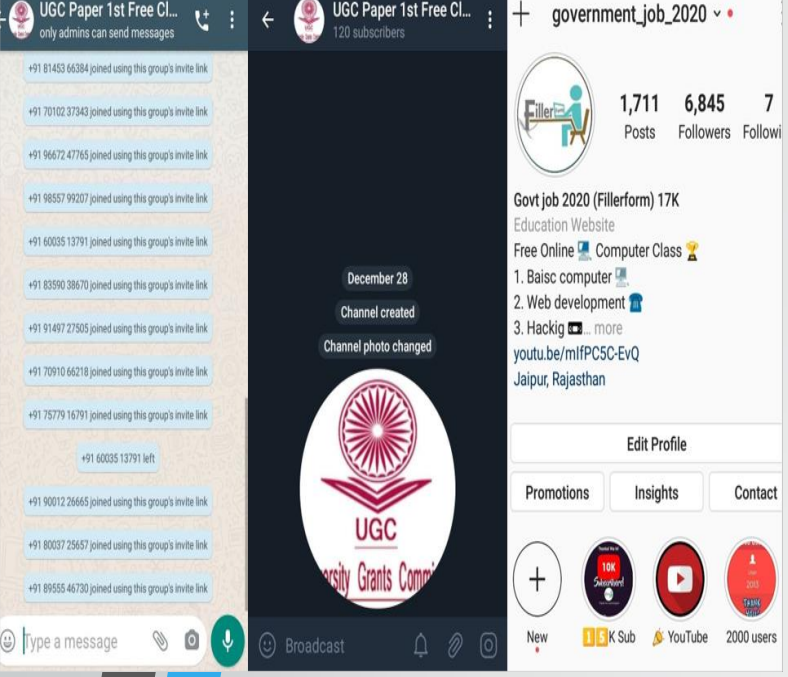
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message
UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
Broadcast
government_job_2020
1,711 Posts
6,845 Followers
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig ... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
K Sub
YouTube
2000 users

Filler Form
LATEST UPLOADS
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
LEARNING MATERIAL
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
100% OFF
5000+MCQ+PYQ
Free Books
fillerform

NET Free Class
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
07:00 PM - Short video(notes)
08:00 PM- Job/PhD update
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

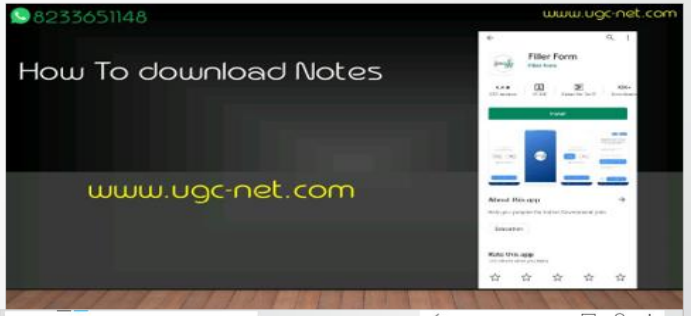
8233651148
www.ugc-net.com
How To download Notes
www.ugc-net.com

8209837844
www.ugc-net.com
We want JRF
JRF का जलवा
We want JRF

UGC NET Giveaway
Win Books
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

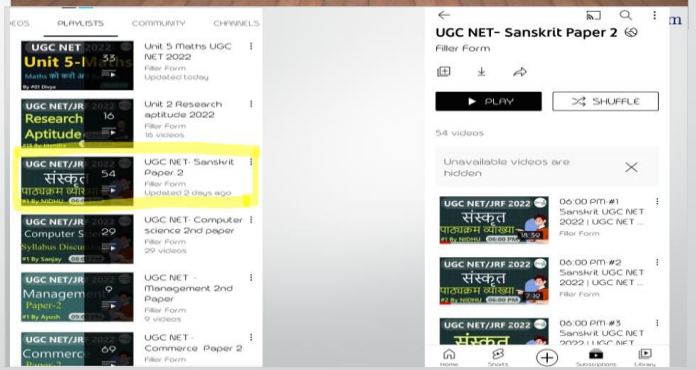
PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden

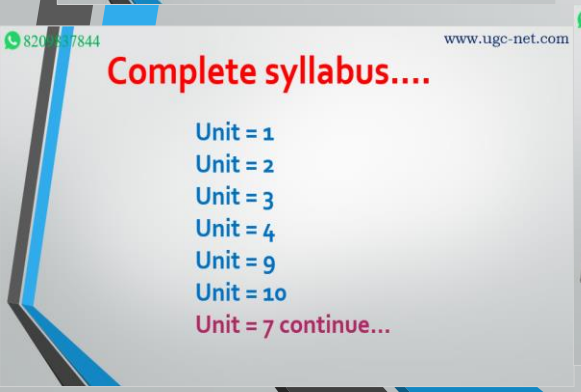
8209837844
www.ugc-net.com
Complete syllabus....
Unit = 1
Unit = 2
Unit = 3
Unit = 4
Unit = 9
Unit = 10
Unit = 7 continue...

8209837844
www.ugc-net.com
Giveaway winner
Jayshree Nag
Congratulations

UGC NET Giveaway
Free Books
MAY
1
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

UGC NET Giveaway
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages

+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link

Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers

December 28

Channel created

Channel photo changed

Broadcast

government_job_2020

1,711 Posts

6,845 Followers

7 Followi

Govt job 2020 (Fillerform) 17K

Education Website

Free Online Computer Class

1. Baisc computer

2. Web development

3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ

Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions | Insights | Contact

New

15K Sub

YouTube

2000 users

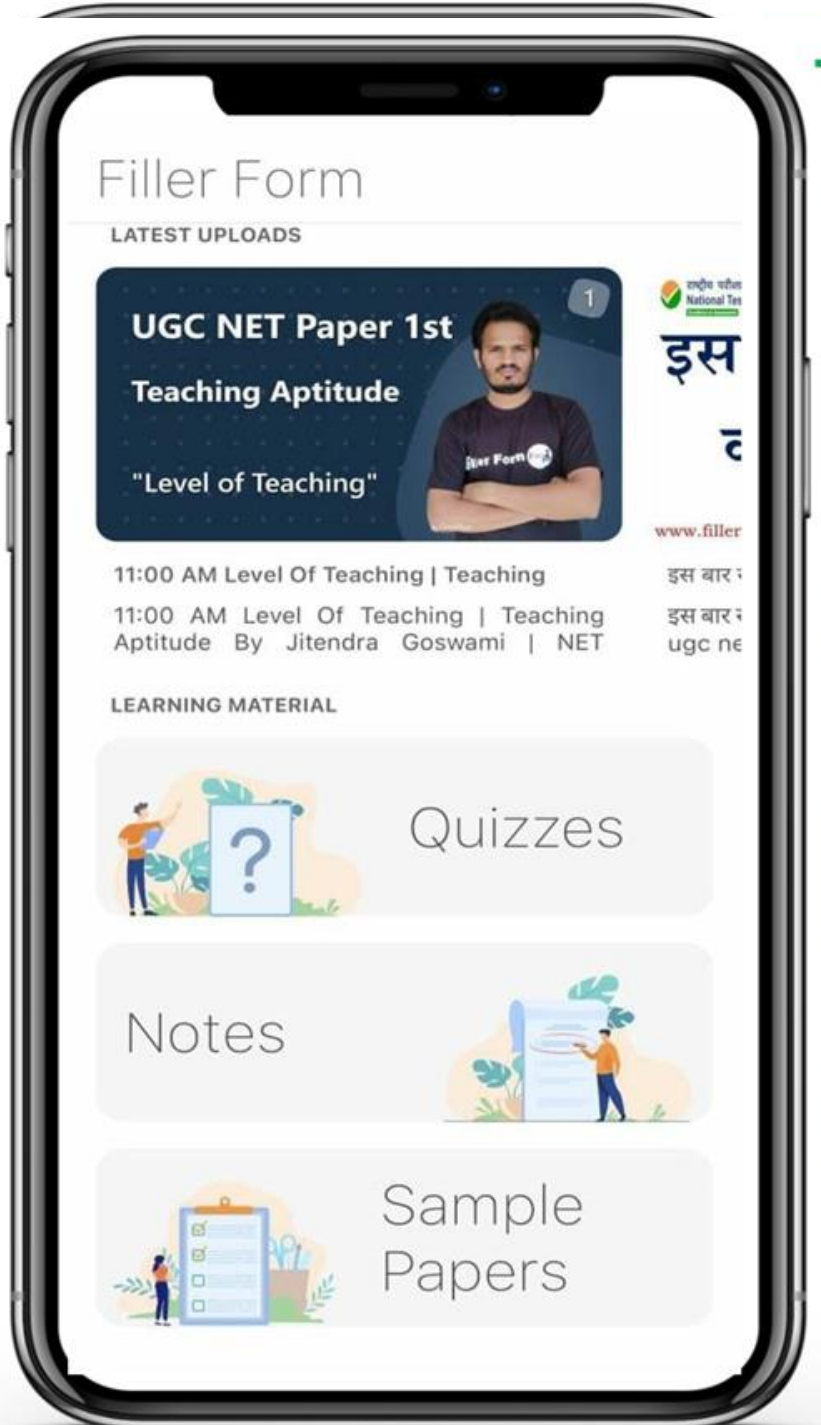

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

100% OFF

5000+MCQ+PYQ

Free Books

fillerform

8209837844

www.ugc-net.com

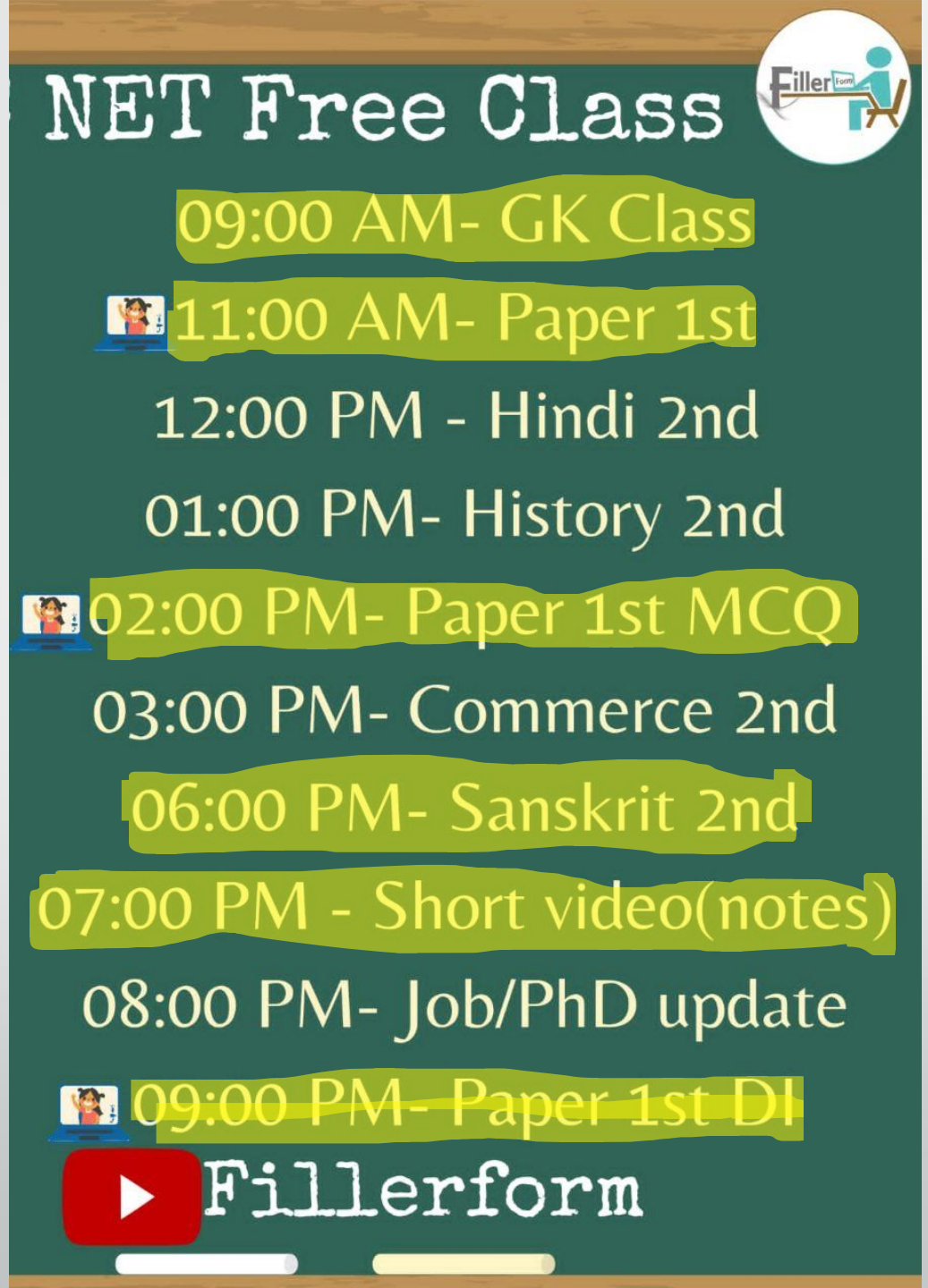

8233651148

www.ugc-net.com

How To download Notes

www.ugc-net.com

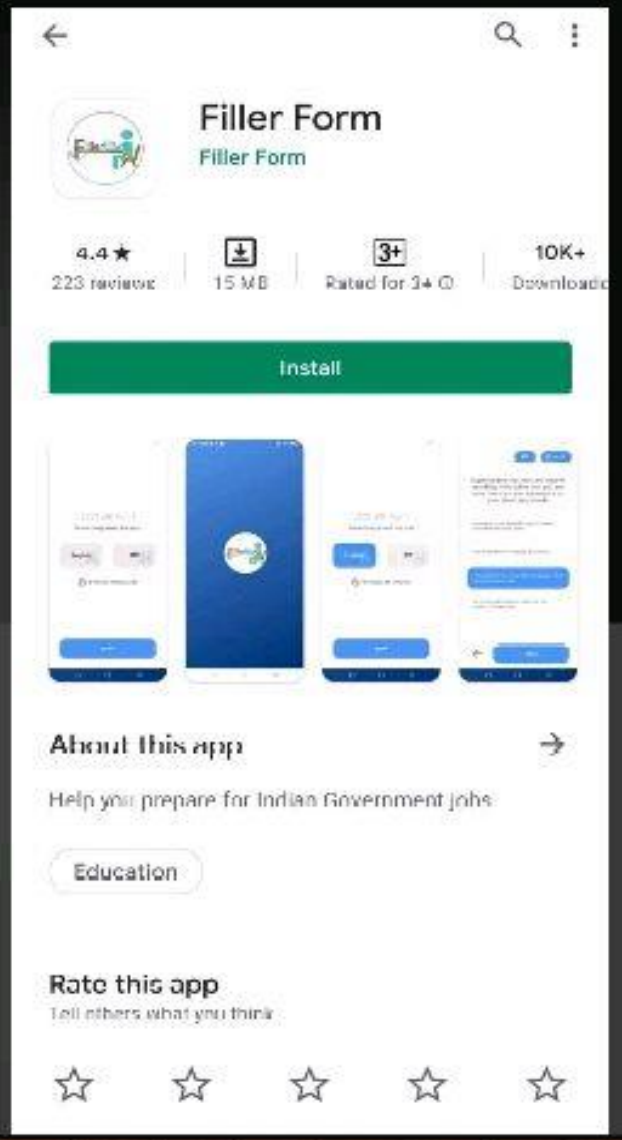

EOS PLAYLISTS COMMUNITY CHANNELS

Unit 5 Maths UGC NET 2022
Filler Form
Updated today

Unit 2 Research aptitude 2022
Filler Form
16 videos

UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
Updated 2 days ago

UGC NET- Computer science 2nd paper
Filler Form
29 videos

UGC NET - Management 2nd Paper
Filler Form
9 videos

UGC NET - Commerce Paper 2
Filler Form

UGC NET- Sanskrit Paper 2

Filler Form

PLAY SHUFFLE

54 videos

Unavailable videos are hidden

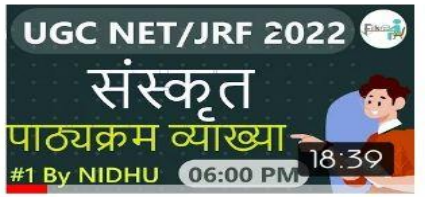

06:00 PM-#1 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form

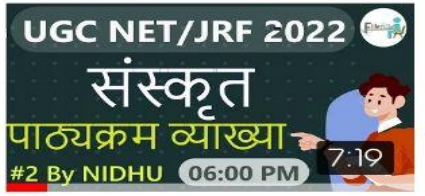

06:00 PM-#2 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form

06:00 PM-#3 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET

Home Shorts Subscriptions Library

UGC NET Giveaway

www.ugc-net.com

Fillerform

8209837844

UGC NET Giveaway

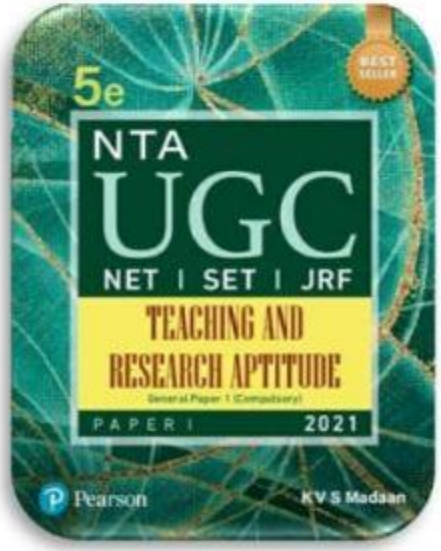

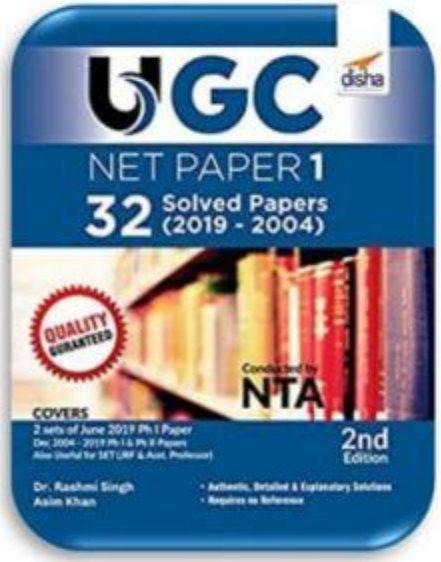

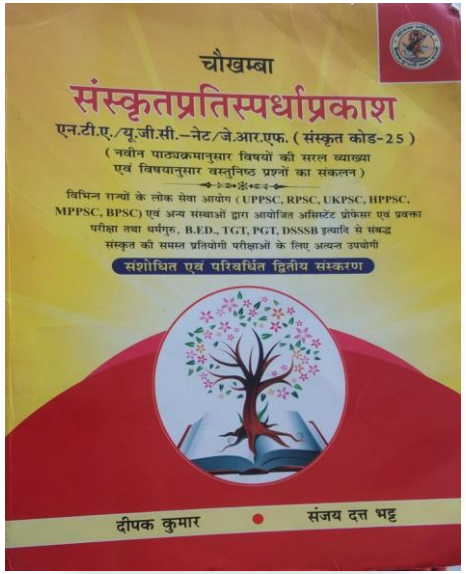

Win Books

www.ugc-net.com

Fillerform

8209837844

UGC NET Giveaway

Free Books

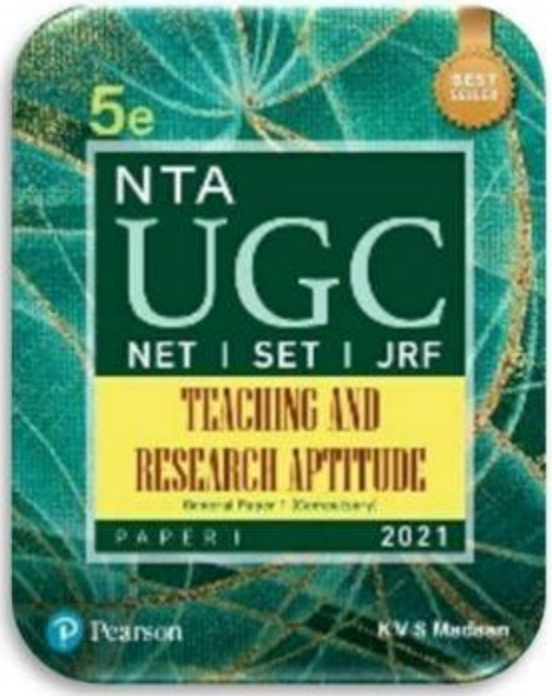

www.ugc-net.com

Fillerform

8209837844

Giveaway winner
Jayshree
Nag
Congratulations

8209837844

www.ugc-net.com

We want JRF

We want JRF

8209837844

www.ugc-net.com

Complete syllabus....

Unit = 1

Unit = 2

Unit = 3

Unit = 4

Unit = 9

Unit = 10

Unit = 7 continue...

8209837844

www.ugc-net.com

इकाई-7

॥संस्कृतसाहित्य॥

संस्कृतसाहित्य काव्यशास्त्र एवं छन्द परिचय-

(क) प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय-

Today's Topic....

(क) प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय-

8209837844

www.ugc-net.com

1. भास

भास संस्कृत साहित्य के प्रसिद्ध नाटककार थे, जिनके जीवनकाल के विषय में अधिक जानकारी नहीं है। भास का समय **100 ई.पू. से 200 ई.** के बीच का माना गया है। **'स्वप्नवासवदत्तम्'** उनके द्वारा लिखित सबसे चर्चित नाटक है, जिसमें एक राजा के अपने रानी के प्रति प्रेम और पुनर्मिलन की कहानी है। कालिदास जो गुप्तकालीन समझे जाते हैं, ने भास का नाम अपने नाटक में लिया है, जिससे लगता है कि वह गुप्त काल से पहले रहे होंगे पर इससे भी उनके जीवनकाल का अधिक ठोस प्रमाण नहीं मिलता। आज कई नाटकों में उनका नाम लेखक के रूप में उल्लिखित है, किन्तु **1912 में त्रिवेंद्रम** में **टी. गणपति शास्त्री** ने नाटकों की लेखन शैली में समानता देखकर उन्हें भास-लिखित बताया। संस्कृत नाटककारों में 'भास' का नाम उल्लेखनीय है। भास कालिदास के पूर्ववर्ती हैं। सबसे पहले **'टी. गणपति शास्त्री'** ने भास के तेरह नाटकों की खोज की थी। अभी तक भास के विषय में जो सामग्री मिलती है, उससे स्पष्ट हो जाता है कि भास ही लौकिक संस्कृत के प्रथम साहित्यकार थे। भास का आविर्भाव **ई. पू. पाँचवी - चौथी** शती में हुआ था। नाटककार भास के कुल 13 उपलब्ध रचनाएं हैं इनके चार वर्ग हैं।

8209837844

www.ugc-net.com

कृतियाँ-

1. **उदयन कथा मूलक-** प्रतिज्ञायौगन्धरायण, स्वप्नवासवदत्तम् ।

2. **रामायण मूलक-** प्रतिमानाटक, अभिषेकनाटक ।

3. **महाभारत मूलक-** ऊरुभंगम्, दूतवाक्यम्, पंचरात्र, मध्यमव्यायोग, दूतघटोत्कच, बालचरितम्, कर्णभारम् ।

4. **लोककथा मूलक-** अविमारकम्, चारुदत्तम् ।

उपाधि- कविताकामिनीहास, अग्निमित्र (ज्वलनमित्र), भासो हास।

8209837844

www.ugc-net.com

2. अश्वघोष

अश्वघोष, बौद्ध महाकवि तथा दार्शनिक थे। **बुद्धचरितम्** इनकी प्रसिद्ध रचना है। **कुषाणनरेश कनिष्क** के समकालीन महाकवि अश्वघोष का **समय प्रथम शताब्दी ई.** का अन्त और द्वितीय का आरम्भ है।

82098378

ugc-net.com

जीवन वृत्त- उनका जन्म **साकेत (अयोध्या)** में हुआ था। उनकी **माता** का नाम **सुवर्णाक्षी** था। चीनी परम्परा के अनुसार महाराज **कनिष्क** **पाटलिपुत्र** के अधिपति को परास्त कर वहाँ से अश्वघोष को अपनी राजधानी **पुरुषपुर (वर्तमान पेशावर)** ले गए थे। कनिष्क द्वारा बुलाई गई **चतुर्थ बौद्ध संगीति** की अध्यक्षता का गौरव एक परम्परा **महास्थविर पार्श्व** को और दूसरी परम्परा महावादी अश्वघोष को प्रदान करती है। ये **सर्वास्तिवादी बौद्ध** आचार्य थे जिसका संकेत **सर्वास्तिवादी "विभाषा"** की रचना में प्रायोजक होने से भी हमें मिलता है। ये प्रथमतः परमत को परास्त करनेवाले **"महावादी"** दार्शनिक थे। इसके अतिरिक्त साधारण जनता को बौद्धधर्म के प्रति **"काव्योपचार"** से आकृष्ट करनेवाले महाकवि थे।

8209837844

www.ugc-net.com

अश्वघोष की प्रमुख रचनाएँ- इनके नाम से प्रख्यात अनेक ग्रन्थ हैं, परंतु प्रामाणिक रूप से अश्वघोष की साहित्यिक कृतियाँ केवल चार हैं-

कृतियाँ-

महाकाव्य- बुद्धचरितम्, सौन्दरानन्द ।

नाटक- शारिपुत्रप्रकरणम् ।

गंडीस्तोत्रगाथा, सूत्रालङ्कारशास्त्रम् के रचयिता संभवतः ये नहीं हैं।

रीति- वैदर्भी

उपाधि- आर्यभदन्त, बौद्धभिक्षु, राष्ट्रपाल ।

8209837844
www.ugc-net.com

3. महाकवि कालिदास

कालिदास (100 ई.पू.) संस्कृत भाषा के महान कवि और नाटककार थे। उन्होंने भारत की पौराणिक कथाओं और दर्शन को आधार बनाकर रचनाएं की और उनकी रचनाओं में भारतीय जीवन और दर्शन के विविध रूप और मूल तत्त्व निरूपित हैं । कालिदास अपनी इन्हीं विशेषताओं के कारण राष्ट्र की समग्र राष्ट्रीय चेतना को स्वर देने वाले कवि माने जाते हैं और कुछ विद्वान उन्हें **राष्ट्रीय कवि** का स्थान तक देते हैं।

अभिज्ञानशाकुंतलम् कालिदास की सबसे प्रसिद्ध रचना है। यह नाटक कुछ उन भारतीय साहित्यिक कृतियों में से है जिनका सबसे पहले यूरोपीय भाषाओं में अनुवाद हुआ था। यह पूरे विश्व साहित्य में अग्रगण्य

8209837844
www.ugc-net.com

रचना मानी जाती है। **मेघदूतम्** कालिदास की सर्वश्रेष्ठ रचना है जिसमें कवि की **कल्पनाशक्ति और अभिव्यंजनावादभावाभिव्यञ्जना शक्ति** अपने सर्वोत्कृष्ट स्तर पर है ।

रीति- कालिदास वैदर्भी रीति के कवि हैं और तदनुरूप वे अपनी अलंकार युक्त किन्तु सरल और मधुर भाषा के लिये विशेष रूप से जाने जाते हैं। उन्होंने अपने शृंगार रस प्रधान साहित्य में भी आदर्शवादी परंपरा और नैतिक मूल्यों का समुचित ध्यान रखा है। कालिदास के परवर्ती कवि बाणभट्ट ने उनकी सूक्तियों की विशेष रूप से प्रशंसा की है।

8209837844
www.ugc-net.com

समय- कालिदास किस काल में हुए और वे मूलतः किस स्थान के थे इसमें काफ़ी विवाद है। चूँकि, कालिदास ने द्वितीय शुंग शासक **अग्निमित्र** को नायक बनाकर **मालविकाग्निमित्रम्** नाटक लिखा और **अग्निमित्र** ने 170 ईसापूर्व में शासन किया था, अतः कालिदास के समय की एक सीमा निर्धारित हो जाती है कि वे इससे पहले नहीं हो सकते। छठीं सदी ईसवी में **बाणभट्ट** ने अपनी रचना **हर्षचरितम्** में कालिदास का उल्लेख किया है तथा इसी काल के पुलकेशिन द्वितीय के एहोल शिलालेख में कालिदास का जिक्र है अतः वे इनके बाद के नहीं हो सकते। इस प्रकार कालिदास के प्रथम शताब्दी ईसा पूर्व से छठी शताब्दी ईसवी के मध्य होना तय है। दुर्भाग्यवश इस समय सीमा के अन्दर वे

8209837844

www.ugc-net.com

कब हुए इस पर काफ़ी मतभेद हैं। विद्वानों में (i) द्वितीय शताब्दी ईसा पूर्व का मत (ii) प्रथम शताब्दी ईसा पूर्व का मत (iii) तृतीय शताब्दी ईसवी का मत (iv) चतुर्थ शताब्दी ईसवी का मत (v) पाँचवी शताब्दी ईसवी का मत, तथा (vi) छठीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध का मत प्रचलित थे। इनमें ज्यादातर खण्डित हो चुके हैं या उन्हें मानने वाले कुछ लोग ही हैं किन्तु मुख्य संघर्ष 'प्रथम शताब्दी ईसा पूर्व का मत और 'चतुर्थ शताब्दी ईसवी का मत' में है।

8209837844

www.ugc-net.com

प्रथम शताब्दी ईसा पूर्व का मत - परम्परा के अनुसार कालिदास उज्जयिनी के उन राजा विक्रमादित्य के समकालीन हैं जिन्होंने ईसा से 57 वर्ष पूर्व विक्रम संवत् चलाया। **विक्रमोर्वशीयम्** के नायक पुरुरवा के नाम का विक्रम में परिवर्तन से इस तर्क को बल मिलता है कि कालिदास उज्जयनी के राजा विक्रमादित्य के राजदरबारी कवि थे। इन्हें **विक्रमादित्य के नवरत्नों** में से एक माना जाता है।

8209837844

www.ugc-net.com

चतुर्थ शताब्दी ईसवी का मत - प्रो॰ कीथ और अन्य इतिहासकार कालिदास को गुप्त शासक **चंद्रगुप्त विक्रमादित्य** और उनके **उत्तराधिकारी कुमारगुप्त** से जोड़ते हैं, जिनका शासनकाल चौथी शताब्दी में था। ऐसा माना जाता है कि **चंद्रगुप्त द्वितीय** ने **विक्रमादित्य** की उपाधि ली और उनके शासनकाल को स्वर्णयुग माना जाता है।

8209837844

www.ugc-net.com

जन्म स्थान- कालिदास के जन्मस्थान के बारे में भी विवाद है। मेघदूतम् में उज्जैन के प्रति उनकी विशेष प्रेम को देखते हुए कुछ लोग उन्हें उज्जैन का निवासी मानते हैं। साहित्यकारों ने ये भी सिद्ध करने का प्रयास किया है कि कालिदास का जन्म उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जिले के कविल्ठा गांव में हुआ था। कालिदास ने यहीं अपनी प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण की थी और यहीं पर उन्होंने मेघदूतम्, कुमारसंभवम् और रघुवंशम् जैसे महाकाव्यों की रचना की थी।

8209837844 www.ugc-net.com

कालिदास के प्रवास के कुछ साक्ष्य **बिहार के मधुबनी** जिला में भी मिलते हैं। कहा जाता है **विद्योत्तमा** (कालिदास की पत्नी) से शास्त्रार्थ में पराजय के बाद कालिदास यहीं गुरुकुल में रुके। कालिदास को यहीं ज्ञान का वरदान मिला। यहां आज भी कालिदास का डीह है। यहाँ की मिट्टी से बच्चों के प्रथम अक्षर लिखने की परंपरा आज भी यहाँ प्रचलित है। कुछ विद्वानों ने तो उन्हें बंगाल और उड़ीसा का भी सिद्ध करने का प्रयत्न किया है। कहते हैं कि कालिदास की श्रीलंका में हत्या कर दी गई थी लेकिन विद्वान इसे भी कपोल-कल्पित मानते हैं। महाकवि कालिदास की मुख्य रूप से (7) प्रसिद्ध **रचनाएं** हैं-

8209837844

www.ugc-net.com

कृतियाँ-

नाटक- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मालविकाग्निमित्र, ।

महाकाव्य- रघुवंशम्, कुमारसंभवम् । **खण्डकाव्य-** मेघदूतम् ।

त्रोटक- विक्रमोर्वशीयम् । **गीतिकाव्य-** ऋतुसंहार ।

अन्य कृतियाँ - कालीस्तोत्र, गंगाष्टक, ज्योतिर्विदाभरणम् ।

उपाधियां- दीपशिखा, रघुकार, कविकुलगुरु, कविताकामिनीविलास, उपमासम्राट् ।

8209837844
www.ugc-net.com

4. शूद्रक

शूद्रक गुप्तकाल में उत्पन्न हुए थे। का समय 100 ई.पू. से 200 ई. के बीच का माना गया है। उनका प्रसिद्ध नाटक **'मृच्छकटिकम्'** है, जिसे सामाजिक नाटकों में प्रमुख स्थान प्राप्त है। यह प्रकरण ग्रन्थ है जिसमें दस अङ्क है इसका रचनाकाल **तीसरी चौथी** शताब्दी ई. माना जाता है। इसके दस अंकों में ब्राह्मण **'चारुदत्त'** जो समय-चक्र से निर्धन है तथा उज्जयिनी की प्रसिद्ध गणिका **'वसंतसेना'** के आर्दश प्रेम की कहानी वर्णित है।

भाषा शैली- मृच्छकटिकम् की शैली सरल तथा वर्णन विस्तृत है। **प्राकृत** भाषा की सभी शैलियों का प्रयोग इसमें एक साथ मिलता है। प्रथम बार संस्कृत में शूद्रक ने ही राज परिवार को छोड़कर समाज के मध्यम वर्ग के लोगों को अपने नाटक के पात्र बनाये। इसके कथानक तथा वातावरण

8209837844

www.ugc-net.com

में स्वाभाविकता है। इस दृष्टि से शूद्रक की नाट्य कला बड़ी प्रशंसनीय है। पाश्चात्य आलोचकों ने इसकी बड़ी सराहना की है तथा **मृच्छकटिकम्** को सार्वभौम आकर्षण का नाटक बताया है, जिसका सफल मंचन विश्व में कहीं भी किया जा सकता है। इनके विषय में प्रसिद्ध उक्ति **है (शूद्रकः अग्निं प्रविष्टः)** शूद्रक राजा अग्नि में प्रविष्ट हुए।

कृतियाँ- मृच्छकटिकम्।

8209837844

www.ugc-net.com

5. विशाखदत्त

विशाखदत्त गुप्तकाल की विभूति थे। इनका समय **पाँचवी छठी शताब्दी ई.** है। इनके दो नाटक प्रसिद्ध हैं- **मुद्राराक्षस तथा देवीचन्द्रगुप्तम्**। मुद्राराक्षस में चन्द्रगुप्तमौर्य के जीवन से सम्बन्धित घटनाओं का उल्लेख मिलता है। **देवीचन्द्रगुप्तम्** से गुप्तवंशी शासक रामगुप्त के विषय में सूचनाएँ प्राप्त होती है। यह नाटक अपने मूल रूप में नहीं मिलता। इसके कुछ अंश **'नाट्य दर्पण'** में प्राप्त होते हैं। **विशाखदत्त ऐतिहासिक** प्रवृत्ति के लेखक हैं। इनके नाटक **वीर रस** प्रधान हैं। मुद्राराक्षस में **प्रेमकथा, नायिका, विदूषक** आदि का अभाव है तथा इस दृष्टि से यह संस्कृत साहित्य में अपना अलग स्थान रखता है।

पिता- महाराज पृथु (परन्तु कुछ संस्करण में पिता का नाम **भास्कर दत्त** भी प्राप्त होता है)।

पितामह- सामंत वटेश्वरदत्त

कृतियाँ- मुद्राराक्षस, देवीचन्द्रगुप्तम्, अभिसारवञ्चितक ।

उपाधि- दत्त (वटेश्वरदत्त, भास्करदत्त, विशाखदत्त) ।

8209833784

ugc-net.com

6. भारवि

भारवि संस्कृत के महान कवि हैं। वे अर्थ की गौरवता के लिये प्रसिद्ध हैं (**"भारवेरर्थगौरवम्"**)। **किरातार्जुनीयम्** महाकाव्य उनकी महान रचना है। इसे एक उत्कृष्ट श्रेणी की काव्यरचना माना जाता है। इनका काल **छठी-सातवीं शताब्दी** (560 ई. से 615 **के बीच**) बताया जाता है। **भारवि** सम्भवतः **दक्षिण भारत** के कहीं जन्मे थे। उनका रचनाकाल पश्चिमी **गंग राजवंश** के राजा दुर्विनीत तथा पल्लव राजवंश के राजा **सिंहविष्णु** के शासनकाल के समय का है। कवि ने बड़े से बड़े अर्थ को थोड़े से शब्दों में प्रकट कर अपनी काव्य-कुशलता का परिचय दिया है। भारवि ने केवल **एक अक्षर "न"** वाला श्लोक लिखकर अपनी काव्यचातुरी का परिचय दिया है।

8209837844

www.ugc-net.com

- माता- सुशीला
- पिता- श्रीधर (अवंतीसुंदरी के अनुसार नारायण स्वामी)
- पत्नी- रसिकवती (रासिका)
- निवासी- धारानगरी,

8209837844

www.ugc-net.com

- वास्तविक- नाम दामोदर भारवि इनकी उपाधि थी ।

कृतियाँ- किरातार्जुनीयम्,

उपाधि- भारवि (वास्तविक नाम दामोदर)

Next class....

(क) प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय-

8209837844

www.ugc-net.com

Home work ....

Hend Writing Notes Send me On Telegram Group...

This Group.. = SANSKRIT BY NIDHU

This link..= https://t.me/+TfoY7528c8UoMmFl

LIKE
& SHARE

FEEDBACK

💥 आपको ये क्लास कैसा लगा ??

📝 Comment box में अपना comment कर के Next Class में आपका solution पाए 📑 📝

For More Information….

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

//Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

8209837844

www.ugc-net.com

thank
you